B.A - II (Hons + Sub)
Paper - III
Unit - II : Topic - Some important characteristics of Unconscious

अचेतन की कुछ विशेषताएँ

चेतन, अर्द्धचेतन तथा अचेतन में अचेतन को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बतलाया गया है। फलस्वरूप मनोविश्लेषणात्मक मनोविज्ञान में इसकी कुछ विशेषताओं पर बल डाला गया है जिनमें निम्नांकित प्रमुख हैं-

(i) अचेतन मन चेतन तथा अर्द्धचेतन मन से बड़ा होता है (Unconscious mind is larger than the Conscious and Subconscious mind) अचेतन मन का क्षेत्र चेतन मन तथा अर्द्धचेतन मन के क्षेत्रों से काफी बड़ा है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि अचेतन मन की अनुभूतियों, इच्छाएँ एवं विचारों चेतन मन तथा अर्द्धचेतन मन की अनुभूतियों, इच्छाएँ एवं विचारों से काफी अधिक होती है। शायद यही कारण है कि अचेतन मन की अनुभूतियों एवं प्रेरकों को व्यवहारों का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रभावकारी निर्धारक माना गया है।

(ii) अचेतन में कामुक, अनैतिक एवं असामाजिक इच्छाओं की प्रधानता होती है (In unconscious Sexual, immoral and antisocial wishes dominate) अचेतन में फ्रायड के अनुसार जितनी भी दमित इच्छाएँ होती हैं, उनमें 99% इच्छाएँ यौन (Sex), अनैतिक एवं असामाजिक व्यवहारों से संबंधित होती है। जब सामाजिक प्रतिबन्ध के कारण ऐसी इच्छाओं की संतुष्टि दिन-प्रतिदिन की जिन्दगी में नहीं हो पाती है, तो व्यक्ति उनका दमन अचेतन में कर देता है। अचेतन में चले जाने से ऐसी इच्छाओं का प्रभाव व्यक्ति पर प्रत्यक्षतः नहीं पड़ता है और व्यक्ति में उससे संबंधित चिन्ता एवं संघर्ष समाप्त हो जाता है।

(iii) अचेतन का स्वरूप गत्यात्मक होता है (Unconscious is dynamic in Nature) - अचेतन मन में दमित इच्छाएँ होती हैं। दूसरे शब्दों में, अचेतन में वैसी इच्छाएँ होती हैं जो सामाजिक प्रतिबन्ध के कारण दिन-प्रतिदिन की जिन्दगी में संतुष्ट

नहीं हो पायीं। फलतः उनका चेतन से अचेतन में दमन कर दिया गया। अचेतन मन में जाने पर ऐसी इच्छाएँ समाप्त नहीं हो जाती हैं बल्कि सक्रिय होकर बार-बार चेतन मन में लौट आना चाहती हैं। परन्तु चेतन मन तथा अहं (ego) के प्रतिबन्धकता के कारण वैसी इच्छाएँ चेतन में नहीं आ पातीं और वेश बदलकर, स्वप्न तथा दैनिक जीवन की छोटी-छोटी गलतियों के रूप में व्यक्त होती हैं। इस तरह से अचेतन की इच्छाओं से सक्रियता होती है जो उसके स्वरूप को गत्यात्मक बना देता है।

To be Continued